

सुविचार

जैसे उबलते पानी में कभी परछाई नहीं  
दिखती ही तीक उसी प्रकार परेशान मन से  
समाधान भी नहीं दिखते.. शांत होकर  
देखिए सभी समस्याओं का हल मिल  
जाएगा।

तजा खबरों के लिए टेली

# प्रभात मन्त्र

prabhatmantra.com

पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रुपये

RNI No. - JAHIN/2014/59110

पोस्टल रजिस्ट्रेशन : आरएन /257/2021-23

शनिवार

02.09.2023

## विपक न्यूज

रोबर प्रज्ञान ने चांद के दक्षिणी  
धूप पर रिकॉर्ड की अद्भुत घटना,  
चांद में जुटा इसी

नई दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गुरुवार को बताया कि चांद की सतह पर बूम रहे रोबर प्रज्ञान ने चांद के दक्षिणी धूप पर एक अद्भुत घटना को रिकॉर्ड किया है। इसे एक प्राकृतिक घटना माना जा रहा है और इसरो इस घटना के तीव्रों के बारे में पता लाने की कोशिश कर रहा है। यह घटना अभी प्राकृतिक लग रही है। हालांकि इसकी जांच की जा रही है।

### पाक ने धमाका, 9 की मौत

काबुल : पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। दरअसल टीवी प्रेस के आमत्राती हमले में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत की खबर है। घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्बा प्रांत की है, जब एक बाइक सवार आतंकी आतंकी ने सेना के काफिले को धमाके से उड़ा दिया। इस धमाके में पाकिस्तानी सेना के नौ जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी है। बता दें कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में एक आतंकी ने विस्फोटक लड़ी कार से सीआरपीएफ के काफिले के बाहर में टकराया और आतंकी ने विस्फोटक लड़ी कार से जावन शहीद हो गया।

### केंद्र सरकार का आदेश, संसद के विशेष सत्र के दौरान सभी बढ़े अफसर दिल्ली में रहे गौजूद

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने संसद के विशेष सत्र से पहले अपनी सकार के संयुक्त सचिव, अंतरिक्ष सचिव, सचिव को दिल्ली में रहने को कहा है। दरअसल सरकार ने 18 नवंबर से शुरू होकर 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। ये सत्र जी 20 शिखर सम्मेलन के कुछ ही दिन बाद होगा। और ये सत्र सिर्फ पांच दिनों का होगा। विशेष सत्र के एंडेंड के तौर पर तो अभी कुछ भी नहीं बताया गया है, लेकिन संसदीय कार्यालय प्रह्लाद जोशी का कहना है, अमृत काल के बीच आयोजित होने वाले इस विशेष सत्र के दौरान संसद में सार्थक चर्चा को लेकर आशानिक है।

### भारत-ब्रिटेन के बीच सिंचार में एफटीए पर 13वें दौर की बातचीत

नई दिल्ली : भारत और ब्रिटेन के बीच जारी प्रस्तावित मुकु व्यापा समझौते (एफटीए) के जल्द संप्रवर्त होने की उम्मीदें बढ़ रही हैं। एफटीए पर दोनों देशों के बीच 13वें दौर की बातचीत इस महीने दिल्ली में होगी। इससे पहले 12वें दौर की बातचीत 8 से 31 अगस्त के दौरान हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित एफटीए पर 13वें दौर की बातचीत दिल्ली में सिंचार महीने में होगी। एफटीए पर 12वें दौर की बातों के बाद जारी संयुक्त बयान में देशों ने बातों को अग्र बढ़ावे के तरीकों पर सहमति जताई है। बयान के मुांबिक इस बारे भी बातचीत हाईक्रिड तरीके से आयोजित की गई, जिसमें यूके के अधिकारी दिल्ली आए और शामिल हुए।

## रांची का तापमान

अधिकतम 26°  
न्यूनतम 12°

## वन नेशन-वन इलेक्शन पर बनी कमिटी, रामनाथ कोविंद बने अध्यक्ष

एंजेंसी

नई दिल्ली : मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में वन नेशन, वन इलेक्शन पर कोटी बनाई है। यह कदम सरकार द्वारा 18 से 22 सितंबर के बीच संसद के विशेष सत्र बुलाए जाने के एक दिन बाद आया है। जिसका एक दो गुप्त राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ करने की वकालत मजबूती से करते आए हैं। अब इस पर विचार करने के लिए रामनाथ कोविंद को जिम्मेदारी सौंपेंगे का निर्णय, चुनावी दृष्टिकोण के मेजबान के रूप में सरकार की गंभीरता को प्रदर्शित करता है। नवबर-दिसंबर में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और इसके बाद अगले साल मई-जून

में लोकसभा चुनाव होंगे। बता दें कि सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक लोकसभा और राज्यसभा का विशेष सत्र बुलाया है जिसमें 5 बैठकें होंगी। कहा जा रहा है कि सरकार सभा नागरिक संसदि (यूपीसी) और महिला आश्रण बिंदु भी पेश कर सकते हैं।

वन नेशन-वन इलेक्शन से विधायिका होने वाले ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर वन नेशन-वन इलेक्शन की वकालत कर चुके हैं। इसके पक्ष में कहा जाता है कि एक देश-एक चुनाव बिल लागू होने से देश में हर साल होने वाले चुनावों पर खर्च होने वाली भारी धनराश बच जाएगी। बता दें कि 1951-1952 लोकसभा चुनाव में 11 करोड़ रुपये खर्च हुए थे जबकि 2019 लोकसभा चुनाव

में लोकसभा चुनाव होंगे। बता दें कि सरकार

ने 18 से 22 सितंबर तक लोकसभा और

राज्यसभा का विशेष सत्र बुलाया है जिसमें

5 बैठकें होंगी। कहा जा रहा है कि सरकार

सभा नागरिक संसदि (यूपीसी) और

महिला आश्रण बिंदु भी पेश कर सकते हैं।

वन नेशन-वन इलेक्शन से विधायिका होने वाले ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर वन

नेशन-वन इलेक्शन की वकालत कर चुके हैं।

इसके पक्ष में कहा जाता है कि एक देश-एक

चुनाव बिल लागू होने से देश में हर साल होने वाले चुनावों पर खर्च होने वाली भारी

धनराश बच जाएगी। बता दें कि 1951-

1952 लोकसभा चुनाव में 11 करोड़ रुपये

खर्च हुए थे जबकि 2019 लोकसभा चुनाव

में लोकसभा चुनाव होंगे। बता दें कि एक

देश-एक चुनाव के समर्थन के पक्षों एक</





















